

दिल पुख्ता कर लिया 3. जिसकी (कथन की) पुष्टि हो चुकी हो।

पुचकार स्त्री. (अनु.) 1. स्नेह, प्रोत्साहन 2. लाड़-प्यार करने की ध्वनि या क्रिया।

पुचकारना स.क्रि. (तद्.) 1. स्नेह प्रदर्शित करना 2. लाड़-प्यार करना।

पुचकारी स्त्री. (देश.) पुचकार।

पुचारना स.क्रि. (देश.) 1. सांत्वना देना 2. तेज बुखार में शरीर के ताप को कम करने के लिए तलवों और हथेलियों को भीगे वस्त्र आदि से पट्टी करना या लेप करना।

पुचारा पुं. (देश.) 1. किसी वस्तु या अंग पर लेप करने या पोतने का कार्य 2. पोंछा 3. पोंछा लगाने का कार्य 4. पोतने के काम में प्रयुक्त घोल 5. किसी को अपने मनोनुकूल करने हेतु एवं किसी दूसरे के विरुद्ध करने हेतु कही जाने वाली पुचकार।

पुच्छ पुं. (तत्.) 1. पूँछ 2. पीछे का हिस्सा।

पुच्छमूल पुं. (तत्.) पूँछ की जड़।

पुच्छल वि. (तत्.) पूँछसहित, पूँछवाला टि. पुच्छल तारा-धूमकेतु, सौरमंडल में यदा-कदा दिखने वाला एक तारा जिसकी लंबी और धुँआनुमा पूँछ होती है।

पुछत्तर वि. (देश.) परवाह करने वाला, खोज-खबर लेने वाला।

पुछल्ला पुं. (देश.) 1. किसी वस्तु के साथ जुड़ी हुई चीज़ 2. लंबी पूँछ 3. किसी व्यक्ति के साथ सदा साथे की तरह लगे रहना।

पुछवैया वि. (देश.) किसी का हालचाल लेने वाला, परवाह करने वाला।

पुछारी पुं. (देश.) मयूर, मोर।

पुजना अ.क्रि. (तद्.) 1. दूसरों के द्वारा पूजा जाना 2. सम्मान प्राप्त करना।

पुजंता वि. (तद्.) 1. पूजा करने वाला 2. पूजनीय।

पुजवाना प्रे.क्रि. (देश.) 1. किसी से पूजा करवाना जैसे- पंडित जी से सरस्वती पुजवाना 2. सम्मानित करवाना 3. वंदना करवाना।

पुजाई स्त्री. (देश.) 1. पूजने की क्रिया या भाव, पूजने का पारिश्रमिक 2. पूजे जाने की क्रिया।

पुजाना प्रे.क्रि. (तद्.) दे. पुजवाना।

पुजापा पुं. (तद्.) 1. पूजन सामग्री 2. पूजन कार्य 3. पुजारी को पूजा के निमित्त दी जाने वाली दक्षिणा।

पुजारी पुं. (देश.) 1. पूजा करने वाला 2. मंदिर में नियमित रूप से पूजा करने वाला।

पुजैया पुं. (देश.) पुजारी।

पुट पुं. (तत्.) 1. परत, तह 2. अंजलि 3. पत्तों का दोना 4. आच्छादित करने वाली वस्तु 5. ढँकने वाली वस्तु।

पुटक पुं. (तत्.) 1. कमल 2. दोना।

पुटकिनी स्त्री. (तत्.) 1. कमलसमूह, कमलिनी 2. वह स्थान जहाँ कमल अधिक होते हैं।

पुटकी स्त्री. (तत्.) पोटली, छोटी गठरी।

पुटपरी स्त्री. (तद्.) एक प्रकार का अवलेह।

पुटपाक पुं. (तत्.) आयु. औषधि बनाने का एक तरीका जिसमें धातु आदि को वनस्पतियों के सत् में घोट कर उसकी टिकिया बनाकर यंत्र में रखकर अग्नि में पकाते हैं।

पुटिका स्त्री. (तत्.) 1. कागज की पुड़िया 2. इलायची।

पुटियाना स.क्रि. (देश.) समझा-बुझाकर अपने पक्ष में लाना, फुसलाना, घुमा-फिराकर बात कहकर अपनी बात मनवाना।

पुटी स्त्री. (तत्.) 1. छोटा दोना 2. छोटा कटोरा 3. पुड़िया 4. छोटे पुट के समान वस्तु।

पुटोदक पुं. (तत्.) नारियल।

पुट्ठा पुं. (तद्.) नितंब के ऊपरी हिस्से का स्थूल अंश मुहा. पुट्ठे पर हाथ न रखने देना- अपनी बात के आगे किसी को बात न रखने देना।